आपके श्रवणयंत्र की देखभाल: क्या करें, क्या नहीं करें

अखिल भारतीय वाक्–श्रवण संस्थान
श्रवण विज्ञान विभाग
मानसगंगोत्री
मैसूर - 570006

आपके श्रवणयंत्र की देखभाल: क्या करें, क्या नहीं करें

क्या करें:

1. अपने श्रवणयंत्र को साफ़ –सुथरा रखिये । यदि श्रवणयंत्र का उपयोग नहीं कर रहे हैं तो उस समय बैटरी कम्पार्टमेंट खुला रखें । आप डीह्युमिडिफायर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं । डीह्युमिडिफायर एक छोटा–सा डब्बा होता हैं, जिसमें सिलिका जेल के कण मौजूद होते हैं । ये कण आपके श्रवणयंत्र से नमी सोखकर उसे सूखा रखने में मदद करते हैं। अपने श्रवणयंत्र को डीह्युमिडिफायर में रखने से पहले उसमें से बैटरियाँ निकालना न भूलें ।

2. अपने श्रवणयंत्र को सूखे और ठंडे स्थान पर रखें ।
3. अपने श्रवणयंत्र का, सावधानीपूर्वक और सम्भाल कर उपयोग करें ।
4. बैटरियां नियमित रूप से बदलें ।
5. अपने श्रवणयंत्र की कम से कम एक वर्ष में एक बार सर्विस करायें ।
6. अपनी श्रवण क्षमता की साल मे एक बार जाँच करायें ।
7. अपने श्रवणविज्ञानी से संपर्क रखें ।

8. ज़रूरत के मुताबिक अपने कान के साँचे बदले ।
9. आपने कानों को साफ़ सुथरा रखें ।
10. अपने श्रवणयंत्र को साफ़ –सुथरे और सूखे हाथों से छुएँ ।
11. सुनिश्चित कीजिए कि आपके कान का साँचा कानों में ठीक से बैठता है ।
12. कान के साँचे को श्रवणयंत्र से अलग कर उसे 2–3 दिनों में एक बार गुनगुने पानी तथा शैम्पू/ साबुन से धोएँ और सुखाकर ही उपयोग करें ।
13. अपने ई.एन.टी. विशेषज्ञ से नियमित रूप से मिलें ।
14. श्रवणयंत्रों के नए माडेल, इन यंत्रों की नई कीमत तथा कल्याण योजनाओं से अवगत रहें ।
15. श्रवणयंत्र में किसी शिकायत या उससे संबंधित प्रश्नों का रिकार्ड अपने पास रखें । इसके अलावा श्रवणयंत्र के मॉडल, उसका प्रकार तथा क्रमसंख्या भी लिखकर अपने पास रखें ।
16. अतिरिक्त बैटरियां और श्रवण्यंत्र के तार हमेशा अपने पास रखें ।

क्या नहीं करें :

1. आपके श्रवणयंत्र को किसी कड़ी सतह पर मत गिरायें या पटकें ।
2. तार या नलिका न मरोड़े, न खींचे न हि उसमें गाँठ लगाएं ।

3. बरसात में श्रवणयंत्र न पहनें ।

4. श्रवणयंत्र को ऐसी जगह पर मत रखें जहाँ बच्चे या पालतू जीव पहुँच सकते हैं ।
5. श्रवणयंत्र को धूल और पानी से बचायें ।
6. श्रवणयंत्र को सूर्य की सीधी किरणों से दूर रखें ।

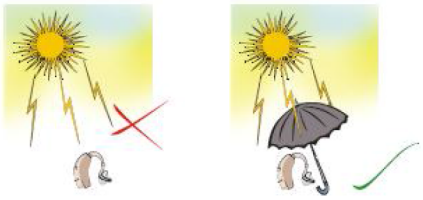

7. विपरीत तापमान से श्रवणयंत्र को दूर रखें ।
8. श्रवणयंत्र का तार (कॉर्ड) / नली, न लटकाएँ । ऐसा करने से तार (कॉर्ड) / नली तथा रिसीवर पर दवाब पड़ सकता है ।
9. श्रवणयंत्र को अत्यधिक गर्मीवाले स्थान या किसी विद्युत उपकरण के नज़दीक न रखें ।
10. कान के साँचे के छिद्र को कान की गंदगी से अवरुद्ध मत होने दें ।
11. श्रवणयंत्र की इलेक्ट्रानिकी समस्याओं से निजात पाने अथवा, टूटे / ढीले स्विचों की मरम्मत आप खुद करने का प्रयास न करें ।
12. श्रवणयंत्र को रासायनिक पदार्थों से दूर रखें ।
13. श्रवणयंत्र का तार (कॉर्ड) उसके चारों ओर खींचकर न लपेटें ।

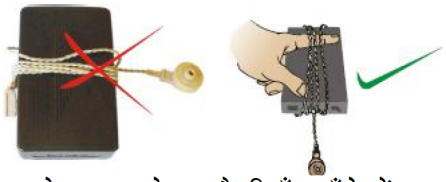

14. श्रवणयंत्र लम्बी अवधि तक उपयोग न करने पर बैटरियाँ खाँचे में न छोडें ।
15. रिसती हुई बैटरियां श्रवणयंत्र में न रहने दें ।
16. नली या तार (कॉर्ड) पकड़कर कान का साँचा, कान से बाहर न निकालें ।
17. अगर आपका कान बह रहा हो तो उस समय श्रवणयंत्र न पहनें ।

यदि आपका श्रवणयंत्र पानी से भीग गया है तो उसे धूप में, चूल्हे पर या माइक्रोवेव ओवन आदि में सुखाने का प्रयास मत करें ।

इससे केवल आगे की क्षति बढ़ जाएगी । श्रवणयंत्र बंद करने के पश्चात् उसमें से बैटरी बाहर निकाल लें । तत्पश्चात एक सूखे और नर्म कपड़े से उसे तुरंत अच्छी तरह से पोंछ लें ।

यदि आपके पास कोई प्रश्न / टिप्पाणियां है या किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता है, तो हमसे संपर्क करें ।

हमारा पता:

अखिल भारतीय वाक् श्रवण संस्थान

मानसगंगोत्री, मैसूर 570 006

दूरभाष: (0821) 2514449 / 2514618 / 2515805 / 2515410 फैक्स : 0821–2510515

ईमेल: director@aiishmysore.in; वेब्साइट: www.aiishmysore.in

कार्य समय: प्रात: 9.00 बजे से सायं 5.30 बजे तक

सोमवार से शुक्रवार

केंद्रीय सरकारी छुट्टी दिनों को छोड़कर